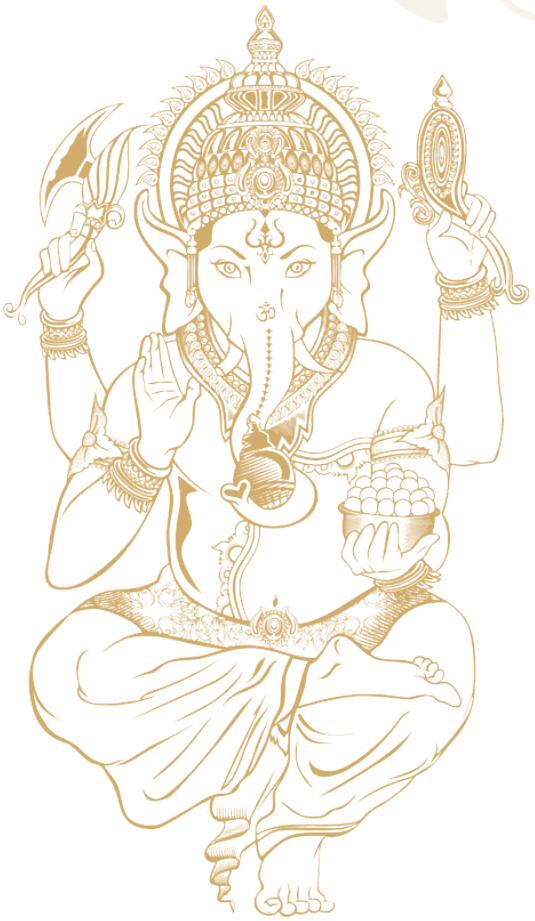

Mr.naveen

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119353303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	11/04/1995
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:40:00	जन्म समय	23:30:00 घंटे
घटी 39:50:03	जन्म समय(घटी)	45:24:46 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Jaipur
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	06:07:52
16:55:09	सूर्यास्त	18:48:22
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 5मा 17दि	01:05:17	कर्क	लग्न	वृश्चि	29:31:27	केतु 2वर्ष 5मा 23दि
केतु	21:00:11	तुला	सूर्य	मीन	27:35:23	चन्द्र
25/04/2025	05:06:48	वृश्चि	चंद्र	सिंह	08:36:34	04/10/2023
25/04/2032	21:13:29	तुला	मंगल	कर्क	21:12:14	03/10/2033
केतु 21/09/2025	10:44:05	वृश्चि	बुध	मीन	24:33:16	चन्द्र 03/08/2024
शुक्र 21/11/2026	16:42:56	सिंह	गुरु व	वृश्चि	21:25:33	मंगल 04/03/2025
सूर्य 29/03/2027	04:34:58	कन्या	शुक्र	कुंभ	23:38:56	राहु 03/09/2026
चन्द्र 28/10/2027	07:22:29	मक	शनि	कुंभ	25:34:22	गुरु 03/01/2028
मंगल 25/03/2028	17:29:31	धनु व	राहु व	तुला	11:52:14	शनि 03/08/2029
राहु 13/04/2029	17:29:31	मिथु व	केतु व	मेष	11:52:14	बुध 03/01/2031
गुरु 20/03/2030	17:05:41	धनु	हर्ष	मक	06:26:54	केतु 04/08/2031
शनि 29/04/2031	20:43:52	धनु	नेप	मक	01:41:04	शुक्र 04/04/2033
बुध 25/04/2032	26:19:24	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	06:24:24	सूर्य 03/10/2033

लग्न-चलित

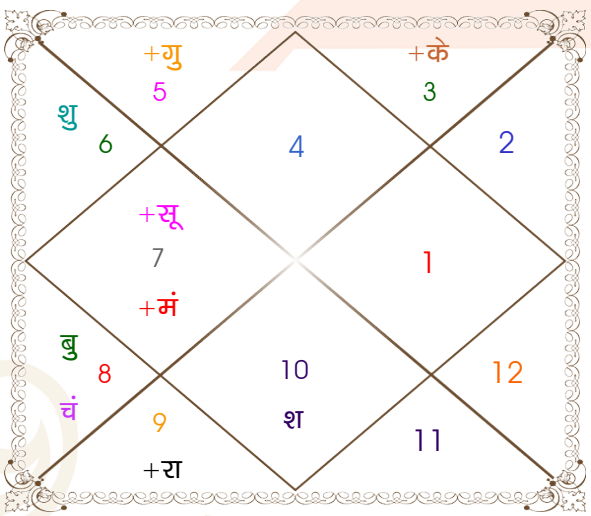

लग्न-चलित

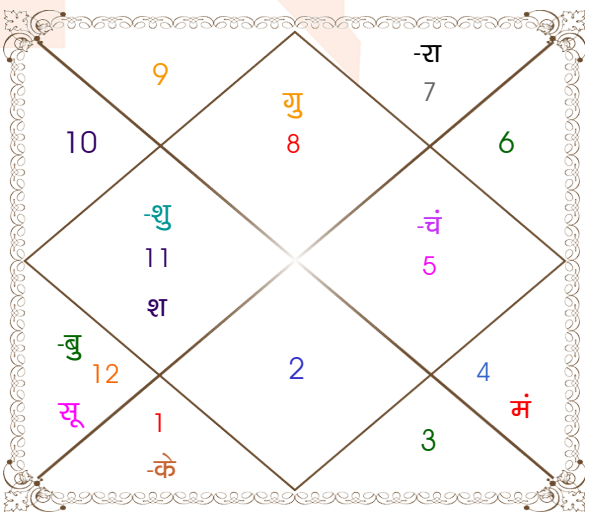

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Mr.naveen का वर्ग सर्प है तथा Sakshi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.naveen और Sakshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Sakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Sakshi कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.naveen तथा Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।